नागालैंडविश्वविद्यालय
Nagaland University

4 YEAR UNDERGRADUATE SYLLABUS
चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

NEP 2020

Nagaland University

2023

Course Content

Major Course (Core papers):

Core papers (15 Nos up to 3yrs)

Paper Code	Course Code	Title of the paper	Total Credit
FIRST SEMESTER			
CHIN-01	HIN/H/C-1	हिन्दी भाषा का इतिहास और लिपि:Hindi Bhasha Ka Itihas aur Lipi	4
CHIN-02	HIN/H/C-2	हिन्दी साहित्य का इतिहास -1: Hindi Sahitya ka Itihas -1	4
SECOND SEMESTER			
CHIN-03	HIN/H/C-3	हिन्दी साहित्य का इतिहास – 2: Hindi Sahitya ka Itihas -2	4
CHIN-04	HIN/H/C-4	हिंदी कहानी: Hindi Kahani	4
THIRD SEMESTER			
CHIN-05	HIN/H/C-5	हिंदी साहित्य का इतिहास-3: Hindi Sahitya ka Itihas -3	4
CHIN-06	HIN/H/C-6	भारतीय काव्यशास्त्र:BhartiyaKavyashashtra	4
FOURTH SEMESTER			
CHIN-07	HIN/H/C-7	हिंदी कविता - आदिकाल : Hindi Kavita : Adikal	4
CHIN-08	HIN/H/C-8	आधुनिक कविता – भारतेंदु से छायावाद तक: Adhunikkavita - Bhartendu Se Chhayvad Tak	4

FIFTH SEMESTER			
CHIN- 09	HIN/H/C-9	हिंदीकविता:मध्यकालHindi Kavita - Madhyakal	4
CHIN-10	HIN/H/C-10	हिन्दी उपन्यास: Hindi Upanyas	4
CHIN-11	HIN/H/C-11	पाश्चात्य काव्यशास्त्र:PaschatyaKavyashastra	4
SIXTH SEMESTER			
CHIN-12	HIN/H/C-12	आधुनिक कविता:छायावादोत्तर कविता AdhunikKavita :Chayvadottar Kavita	4
CHIN-13	HIN/H/C-13	हिंदी आलोचना: Hindi Alochana	4
CHIN-14	HIN/H/C-14	हिन्दी निबंध और अन्य विधाएं Hindi Nibandh aur anyaVidhayen	4
CHIN-15 (DSH-1)	HIN/H/C-15	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्यAsmitamulak Vimarsh Aur Hindi Sahitya	4
TOTAL CORE CREDITS			60
SEVEN SEMESTER			
CHIN-16 (DSE1)	HIN/H/C-16	लोक साहित्य : Lok Sahitya	4
CHIN-17 (DSE2)	HIN/H/C-17	भाषा विज्ञान : Linguistics	4
CHIN-18 (DSE3)	HIN/H/C-18	प्रयोजनमूलक हिंदी -Prayojanmulak Hindi	4
CHIN19 (DSE4)	HIN/H/C-19	शोध प्रविधि Shodh Pravidhi	4
EIGHT SEMESTER			
CHIN-20	HIN/H/C-20	भारतीय साहित्य –Bhartiya Sahitya	4
TOTAL CORE CREDITS			80
Research Project/ Dissertation* OR			12

CHIN-21*	हिंदी उपन्यास – प्रेमचंद : Hindi Upanyas - Premchand	4
CHIN-22*	हिंदी काव्य – कबीर : Hindi Poetry - Kabir	4
CHIN-23*	पत्रकारिता और मीडिया: Journalism and Media	4

***Students not opting for Writing Dissertation/ Research Project shall have to study papers C-21-23. Dissertation/Research Project does not come under the core of 80 credits, rather it is overall SEC.**

SKILL ENHANCEMENT COURSES (3 Credit Each)

Kindly check the CBCS guidelines uploaded on the website. Common pools of SEC are already selected by the university. Only those common Pool courses may be given again along with the syllabus (The syllabus also will be in the respective CBCS syllabus uploaded on the website)

Skill Enhancement Courses Paper Code CHIN-24	Title of the paper Course Code	Total Credit 3	Proposed by Department
	अनुवाद और हिन्दी साहित्य:Anuvad aur Hindi Sahitya HIN/SEC/24/1	3	Hindi
	कार्यालयी हिन्दी: Karyalayi Hindi HIN/SEC/24/2	3	Hindi
	विज्ञापन और समाचार लेखन Vigyapan aur Samachar Lekhan HIN/SEC/24/3	3	Hindi

ABILITY ENHANCEMENT COURSES (2 Credit Each)

Only Hindi and MIL subjects may provide the courses. Commerce also may submit a business communication course.

Ability Enhancement Course	Title of the Paper	Total credit	Department

CHIN-25	MIL-1 -कविता, कहानी, व्याकरण एवं रचना: Poetry, Story, Grammar and Composition HIN/AEC/25/1	2	MIL/Hindi
	MIL-2-कहानी, आत्मकथा, एकांकी एवं कविता: Short Story, Autobiography, One act Play and Poetry HIN/AEC/25/2	2	MIL/Hindi

VALUE BASED COURSES (3/2 Credit)

Kindly check the proposed value-based courses in the proposed four-year UG guidelines. BUGS/Colleges may propose new courses too. Also if any department is in a position to develop the proposed Value added courses, kindly do that.

Value-Based courses CHIN-26	Title of the paper	Total Credit	Department
	कम्प्यूटर अनुप्रयोग : Computer Application HIN/VBC/26/1	3	Hindi
	NCC/NSS/ Common Pool	3	
	Work Ethics	2	

MULTI-DISCIPLINARY COURSES (3 Credit Each)

MULTI-DISCIPLINARY Courses CHIN-27	Title of the paper	Total Credit 3	Proposed by Department
	Environmental Science	3	Environmental science
	SWAYAM/Common Pool	3	SWAYAM

	Understanding Heritage/ Common Pool	3	History
	साहित्य और सिनेमा : Literature and Cinema HIN/MDC/27/1	3	Hindi
	सृजनात्मक लेखन –Creative Writing HIN/MDC/27/2	3	Hindi

:Introduction

:**Content** हिंदी पाठ्यक्रम विद्यार्थी के आलोचनात्मक विवेक और रचनात्मक क्षमता को बढाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। साहित्य की समझ के साथ भाषा का ज्ञान विद्यार्थी को संवेदनात्मक क्षमता और ज्ञानात्मक संवेदन प्रदान करता है। ज्ञान की शाखाओं के साथ आज विश्व को सजग , आलोचनात्मकजो समाज की नकारात्मक ,विवेकशील और संवेदनशील व्यक्ति की आवश्यकता है , शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सके। इस संदर्भ में, साहित्य का अध्ययन मनुष्य को विस्तार देता है तथा मानवता की विजय में उसके विश्वास को दृढ़ करता है। भाषा , आलोचनाकाव्यशास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धांतिक समझ को विस्तृत करता है ,, वहीं कविता ,नाटक , कहानीसैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है।

Learning Outcome based approach to curriculum planning

- Aims of Bachelor's degree programme in (CBCS) B.A. HINDI

Content: भारतीय संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। हिंदी पढ़ाने वाले छात्र को भाषा की क्षमता से परिचित होना जितना आवश्यक है, उतना ही उसे समाज की चुनौतियों के सन्दर्भ में जोड़ने की योग्यता विकसित करना भी जरुरी है। आज हम भूमंडलीकृत समाज के सदस्य हैं। अतः पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को देश-विदेश में हो रहे बदलाव से परिचित कराना भी है और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी की राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा, क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान सन्दर्भों के अनुकूल है, साथ ही इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य रोजगारपरक भी है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा। हिंदी साहित्य की नयी समझ और भाषा की व्यावहारिकता की जानकारी इसका प्रमुख ध्येय है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल संबंधों की पहचान कराना भी है।

Graduate Attributes in Subject

- Disciplinary Knowledge

Content: भाषा, समाजविज्ञान, साहित्यद्वारानिष्पक्षविश्लेषणकीसंस्कृतिविकसितहोगीऔरताकिविज्ञानकीकल्पनात्मकताको आवश्यकभाषिकज्ञान, दर्शन, औरस्वरूपप्राप्तहोसकेगा।

Gratitude Attributes in Subject

- Communication Skills

Content: साहित्य और भाषा के बहुआयामी अध्ययन से संवाद एवं लेखन की क्षमता विकसित होगी।

Graduate Attributes in Subject

- Critical Thinking

Content: अंतर-अनुशासनात्मकएवंतुलनात्मकअध्ययनकरनेसेआलोचनात्मकविवेकविकसितहोगा।

Graduate Attributes in Subject

- Problem Solving

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होता है। साहित्यिक कृतियों में उपस्थित संभावनाओं के माध्यम से जीवन सेसम्बंधित समस्याओं का हल निकालने में सहायता मिलती है।

Graduate Attributes in Subject

- Research related Skills

Content:भाषासम्बन्धीशोधमेंसाहित्य, समाजऔरसंस्कृतिपरकअध्ययनद्वाराविद्यार्थीकीविवेकशीलताविकसितहोगी.

Graduate Attributes in Subject

- Reflective Thinking

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन करने से व्यक्तित्व विकास के साथ रचनात्मक अंतर्संबंध को समझने की विशेष योग्यता विकसित होती है.

Graduate Attributes in Subject

- Moral and Ethical Awareness/Reasoning

Content: साहित्य प्रत्यक्ष रूप से नैतिक मूल्यों के विकास का अवसर प्रदान करता है।

Graduate Attributes in Subject

- Multicultural Competence

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन बहुसांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है.

Qualification Description

Content: 10+2 या समकक्ष

Programme Learning Outcome in Course

Content: इस पाठ्यक्रम को पढने-पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे -

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के आरंभिक स्तर से अब तक के बदले रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।
2. भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष की भी जानकारी मिल सकेगी।
3. उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है – इससे संबंधित परिणाम की प्राप्ति की जा सकती है।
4. छात्रभाषा सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे।
5. व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा की आवश्यक योग्यता का विकास किया जा सकेगा। अनुवाद, कम्प्यूटर जैसे विषयों की हिंदी से जोड़कर पढ़ाने से विद्यार्थी में बाजार-संबंधी भाषा का विकास हो सकेगा।
6. हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा, जो छात्रों के व्यक्तित्व-विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा।
7. साहित्य के सौन्दर्यबोध, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा मिलेगा।
8. साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा मिलेगी। कविता, कहानी और नाटक जैसे विधाओं द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मकता को प्रोत्साहन मिलेगा.

9. साहित्य के आदिकालीन सन्दर्भों से लेकर समकालीन रूप से परिचित कराना, जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के सम्बन्ध को परख और पहचान सके।
10. साहित्यिक विवेक का निर्माण होगा।

Teaching Learning Progress

Content: सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा-दक्षता को मजबूती देना है। छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकेंगे। अपनी भाषा में व्यवहार-कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकेंगे। साहित्य की समझ विकसित हो सकेगा तथा आलोचनात्मक ढ़ंग से साहित्यिक विवेक निर्मित किया जा सकेगा। इसके लिए निम्नांकित बिन्दुओं को देखा जा सकता है-:

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर आधारित सेमिनार आयोजन
4. साहित्यिकता की समझ देना
5. प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप में देखना
6. कक्षाओं में पठन-पाठन पद्धति
7. लिखित परीक्षा
8. आतंरिक मूल्याङ्कन
9. शोध-सर्वेक्षण
10. वाद-विवाद
11. कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान
12. दृष्य-श्रव्य माध्यमों की जानकारी व्यावहारिक रूप से देना
13. काव्य वाचन, पठन और आलोचनात्मक मूल्यांकन
14. कथा पाठ और वाचन में अंतर समझना
15. आलोचनात्मक मूल्याङ्कन पर बल

Assessment Methods

Content:

1. हिंदी भाषा के व्यावहारिक मूल्यों पर आधारित परियोजना कार्य व मूल्याङ्कन।
2. भाषिक नमूने तैयार करना और विश्लेषण
3. विद्यार्थियों का मौखिक और लिखित मूल्याङ्कन
4. पी पी टी बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना। इस माध्यम से हिंदी की विविध विधाओं को दृश्य माध्यम से रुचिकर रूप से जाना जा सकेगा।
5. भाव-विश्लेषण के लिए विद्या आधारित प्रश्नोत्तरी का मूल्याङ्कन करना।
6. पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन
7. समूह-परिचर्चा

First Semester

Major Course - Core Paper

Paper Code: CHIN-01

Course Code: HIN/H/C-01

Title of the Paper – हिंदी भाषा का इतिहास और लिपि **–** Credit: 4

इकाई 1. हिन्दी भाषा का विकास की पूर्वपीठिका

प्रमुख भाषा परिवार और हिन्दी
हिन्दी का प्रारंभिक स्वरूप
अवहट्ठ और पुरानी हिन्दी

इकाई 2. **हिन्दी की प्रमुख विभाषाएं और बोलियाँ**

विभाषा– पहाड़ी हिंदी, राजस्थानी हिंदी, बिहारी हिंदी और पश्चिमी हिंदी
उपभाषा – भोजपुरी, अवधी और ब्रज

इकाई 3. आधुनिक युग में हिन्दी

अंग्रेजों की भाषा नीति
खड़ीबोली आन्दोलन
राजभाषा के रूप में हिन्दी

इकाई 4. देवनागरी लिपि

देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास
देवनागरी लिपि का मानकीकरण

अनुमोदित ग्रंथः

1.	हिन्दी भाषा का इतिहास	भोलानाथ तिवारी
2.	हिन्दी भाषा	हरदेव बाहरी
3.	पुरानी हिन्दी	चंद्रधर शर्मा गुलेरी
4.	भारत की भाषा समस्या	रामविलास शर्मा
5.	हिन्दी भाषा में अपभ्रंश का योग	नामवर सिंह
6.	हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास	उदयनारायण तिवारी
7.	हिन्दी भाषा विज्ञान	किशोरीदास वाजपेयी
8.	हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
9.	हिन्दी भाषा	श्यामसुंदर दास
10.	भाषा और समाज	रामविलास शर्मा

Paper Code: CHIN-02
Course Code: HIN/H/C-02
Title of the Paper – हिंदी साहित्य का इतिहास 1– Credit: 4

इकाई 1. साहित्येतिहास की अवधारणा
साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा
इकाई 2. हिन्दी साहित्य के इतिहास का कालक्रम एवं नामकरण
(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल एवं आधुनिक काल के संदर्भ में)
इकाई 3. आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि
आदिकाल की प्रवृत्तियां
इकाई 4. आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण और सामान्य परिचय
सिद्ध साहित्य, रासो साहित्य, जैन साहित्य और नाथ साहित्य

अनुमोदित ग्रंथ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं अवधेश प्रधान
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का अतीत विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास नगेन्द्र
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन नलिन विलोचन शर्मा
9. साहित्य और इतिहास दृष्टि मैनेजर पाण्डेय
10. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि महेन्द्रपाल शर्मा
11. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास रामकुमार वर्मा
12. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास गणपतिचन्द्र गुप्त
13. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास विश्वनाथ त्रिपाठी
14. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास बच्चन सिंह

Second Semester

Major Course - Core Paper

Paper Code: CHIN-03

Course Code: HIN/H/C-03

Title of the Paper – हिंदी साहित्य का इतिहास -2**:** Credit: 4

इकाई 1. भक्तिकाल की पृष्ठभूमि

सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक स्थिति

भक्तिआंदोलन के उदय के कारण

भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप

इकाई 2. **निर्गुण काव्यधारा**

संतकाव्य का वैचारिक आधार और प्रमुख कवि

संतकाव्य की प्रवृत्तियां

सूफी काव्य परम्परा का वैचारिक आधार और कवि खुसरो

सूफी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां

इकाई 3**. सगुण काव्यधारा**

राम काव्य का वैचारिक आधार और प्रमुख कवि

राम काव्य की विशेषताएं

कृष्ण काव्य का वैचारिक आधार और प्रमुख कवि

कृष्ण काव्य की विशेषताएं

इकाई 4 . रीतिकाल

रीतिकाल की सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक की व्यापक पृष्ठभूमि

नामकरण की समस्या

रीतिकाल की विभिन्न धाराएं

रीतिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियां

अनुमोदित ग्रंथः

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास — रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास — रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं — अवधेश प्रधान
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका — हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का अतीत — विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास — नगेंद्र
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन — नलिन विलोचन शर्मा
8. साहित्य और इतिहास दृष्टि — मैनेजर पाण्डेय
9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि — महेन्द्रपाल शर्मा
10. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — रामकुमार वर्मा
11. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास — गणपतिचन्द्र गुप्त
12. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास — विश्वनाथ त्रिपाठी
13. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास — बच्चन सिंह
14. भक्तिकाव्य और लोकजीवन — शिवकुमार मिश्र

Major Course - Core Paper

Paper Code: CHIN-04

Course Code: HIN/H/C-04

Title of the Paper – हिंदी कहानी **-** Credit: 4

इकाई 1**. कहानी का विकास**

स्वतंत्रता पूर्व कहानी

स्वतंत्र्योत्तर कहानी

इकाई .**2**. स्वातंत्रता पूर्व कहानी

चंद्रधर शर्मा गुलेरी– उसने कहा था

प्रेमचंद - ईदगाह

रेणु – तीसरी कसम

इकाई 3. स्वातंत्र्योत्तरकहानी

कमलेश्वर – डिप्टी कलेक्टरी

भीष्म साहनी – चीफ की दावत

मन्नू भंडारी – यही सच है

इकाई 4. स्वातंत्र्योत्तर कहानी

ज्ञान रंजन – घंटा

ओमप्रकाश वाल्मीकि – घुसपैठिये

संजीव - बाघ

अनुमोदित ग्रंथ:

1. कहानी: नयी कहानी — नामवर सिंह
2. आज की हिन्दी कहानी — विजय मोहन सिंह
3. नई कहानी :संदर्भ और प्रकृति — देवीशंकर अवस्थी
4. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार — विश्वनाथ त्रिपाठी
5. कहानी : समकालीन चुनौतियाँ — शम्भू गुप्त
6. हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश — श्रीधरम
7. समकालीन कहानी का रचना विधान — गंगाप्रसाद विमल
8. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान — रामदरश मिश्र
9. समकालीन हिन्दी कहानी — पुष्पपाल सिंह
10. कहानी समय — कृष्णमोहन

Third Semester

Major Course - Core Paper

Paper Code: CHIN-05

Course Code: HIN/H/C-05

Title of the Paper – हिंदी साहित्य का इतिहास -3**:** Credit: 4

इकाई 1. आधुनिक काल

आधुनिकता की अवधारणा

हिंदी नवजागरण– विकास की अवधारणा

इकाई 2. भारतेंदु एवं द्विवेदी युग के प्रमुख कवि और प्रवृत्तियां

इकाई 3. छायावाद की प्रवृत्तियां और प्रमुख कवि

इकाई 4. प्रगतिवाद और प्रयोगवाद की प्रवृत्तियां ,

नई कविता और समकालीन कविता की प्रवृत्तियां

अनुमोदित ग्रंथः

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचंद्र शुक्ल
2.	आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ	नामवर सिंह
3.	छायावाद	नामवर सिंह
4.	कविता के नए प्रतिमान	नामवर सिंह
5.	नई कविता का आत्मसंघर्ष	मुक्तिबोध
6.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	नगेंद्र
7.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास	राम स्वरूप चतुर्वेदी
8.	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	बच्चन सिंह
9.	लम्बी कविताओं का रचना संसार	नरेन्द्र मोहन
10.	फिलहाल	अशोक वाजपेयी
11.	निराला की साहित्य साधना	रामविलास शर्मा
12.	कामायनी - एक पुनर्विचार	मुक्तिबोध
13.	सुमित्रानंदन पन्त	नगेंद्र
14.	महादेवी वर्मा महादेवी वर्मा	इंद्रनाथ मदान
15.	नई कविता के अंक	जगदीश गुप्त

Major Course - Core Paper

Paper Code: CHIN-06

Course Code: HIN/H/C-06

Title of the Paper – भारतीय साहित्य सिद्धांत**:** Credit: 4

इकाई 1. भारतीय साहित्य सिद्धांत : विभिन्न सम्प्रदायों का सामान्य परिचय

इकाई 2. रस सम्प्रदाय

रस की परिभाषा

रस का स्वरूप,रस के अवयव और रस के प्रकार

साधारणीकरण

इकाई 3. काव्य हेतु और लक्षण

काव्य का अर्थ और काव्य के लक्षण

काव्यहेतु, काव्य प्रयोजन

इकाई 4. काव्य प्रयोजन, शब्द शक्ति, अलंकार और छंद

अनुमोदित ग्रंथ-:

1. काव्यशास्त्र की भूमिका — नगेंद्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र — सत्यदेव चौधरी
3. साहित्य चिंतन — देवेन्द्र इस्सर
4. साहित्य सिद्धांत — जान आस्टिन और रेनेवेलेक
5. रस सिद्धांत का पुनर्वचन — गणपतिचंद्र गुप्त
6. भारतीय साहित्यशास्त्र — बलदेव उपाध्याय
7. संरचनावाद — गोपीचंद नारंग
8. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन : सत्यदेव चौधरी
9. काव्यशास्त्र — भागीरथ मिश्र
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र — गणपति चन्द्र गुप्त

Fourth Semester
Major Course - Core Paper
Paper Code: CHIN-07
Course Code: HIN/H/C-07
Title of the Paper – हिंदी कविता: **आदिकाल**- Credit: 4

इकाई 1. सरहपा

सामान्य परिचय और पृष्ठभूमि
आदिकालीन काव्य – वासुदेव सिंह
निर्धारित पाठ - दोहाकोश संख्या 6 से 9

इकाई 2. **गोरखनाथ**

सामान्य परिचय और पृष्ठभूमि
निर्धारित पाठ - गोरखनाथ सबदी संख्या 6 से 8
आदिकालीन काव्य – वासुदेव सिंह

इकाई 3. चंदबरदाई

सामान्य-परिचय और पृष्ठभूमि
निर्धारित पाठ - गाथा संख्या – 14-15

इकाई 4. विद्यापित और खुसरो

सामान्य-परिचय और पृष्ठभूमि
विद्यापति – लोचन शरण
वंदना 1 :राधा की वंदना (35), राधा का प्रेम (36)
अमीर खुसरो : व्यक्तित्व एवं कृतित्व (परमानंद पंचला)
कव्वाली गीत – 1, 4 और 13

अनुमोदित ग्रंथ-:

1.	.हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचंद्र शुक्ल
2.	आदिकाल	हजारी प्रसाद द्विवेदी
3.	हिन्दी काव्यधारा	राहुल सांकृत्यायन
4.	आदिकालीन हिन्दी साहित्य	शम्भुनाथ पाण्डेय
5.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
6.	हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं	अवधेश प्रधान
7.	हिन्दी साहित्य की भूमिका	हजारी प्रसाद द्विवेदी
8.	हिन्दी साहित्य का अतीत	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	नगेंद्र
10.	हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन	नलिन विलोचन शर्मा
11.	साहित्य और इतिहास दृष्टि	मैनेजर पाण्डेय
12.	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा
13.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	गणपतिचन्द्र गुप्त
14.	भक्ति– काव्य और लोकजीवन	शिवकुमार मिश्र
15.	मध्यकालीन बोध का स्वरूप	हजारी प्रसाद द्विवेदी
16.	सूरदास	रामचन्द्र शुक्ल
17.	भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	मैनेजर पाण्डेय

18. तुलसी	रामचन्द्र शुक्ल
19. तुलसी	उदयभानु सिंह
20. कबीर	हजारीप्रसाद दिवेद्वी
21. जायसी	विजयदेव नारायण साही
22. जायसी	सदानंद साही
23. पद्मावत का मूल्यांकन	जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव
24. सूफीमत – साधना और साहित्य	राम पजूनी रावत
25. अकथ कहानी प्रेम की	पुरूषोत्तम अग्रवाल

Major Course - Core Paper

Paper Code: CHIN-08

Course Code: HIN/H/C-08

Title of the Paper – आधुनिककविता: भारतेंदु से छायावाद तक- Credit: 4

इकाई 1. भारतेंदु हरिश्चंद्र (भारतेंदु युग)

प्रेम सरोवर

नए ज़माने की मुकरी

इकाई . 2. मैथिली शरण गुप्त (द्विवेदी युग)

शिक्षा की अवस्था

सखी वे मुझसे कहकर जाते

इकाई .3. छायावाद 1-

1. **जयशंकर प्रसाद**

ले चल वहां भुलावा देकर

2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

जूही की कली

इकाई 4. छायावाद - 2

1. सुमित्रानंदन पंत
   नौका विहार
2. महादेवी वर्मा
   पंथ होने दो अपरिचित

अनुमोदित ग्रंथ –

भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी जीवन की समस्याएं – रामविलास शर्मा

कविता से साक्षात्कार -	मलयज
साकेत – एक अध्ययन	नगेंद्र
निराला की साहित्य साधना	रामविलास शर्मा
कामायनी – एक पुनरावलोकन	मुक्तिबोध
सुमित्रानंदन पंत	नगेंद्र
सुमित्रानंदन पन्त	नंददुलारे वाजपेयी
महादेवी वर्मा	इंद्रनाथ मदान
पंत, प्रसाद और गुप्त	रामधारी सिंह दिनकर
महादेवी	दूधनाथ सिंह

Fourth Semester
Major Course - Core Paper
Paper Code: CHIN-09
Course Code: HIN/H/C-09
Title of the Paper – हिंदी कविता: **मध्यकाल**- Credit: 4

इकाई 1. कबीरदास और जायसी
सामान्य परिचय और पृष्ठभूमि
निर्धारित पाठ - **कबीर - पद**
1. हमरो गुरू दीन्हीं बजरी
2. दुलहिन गावहू मंगलाचार
3. संतो ई मुरदन के गांव
4. हम न मरिहै, मरिहै संसारा

जायसी -
सामान्य परिचय और पृष्ठभूमि
निर्धारित पाठ – नागमति वियोग खंड
जायसी – मानसरोदखंड – जायसी ग्रंथावली (सं) रामचंद्र शुक्ल

इकाई 2. सूरदास और तुलसीदास
सामान्य परिचय और पृष्ठभूमि
सूरदास – पद
1. **अविगत गति कछु कहत न आवै**
2. **बूझतस्यामकौनतूगोरी**

तुलसीदास– रामचरितमानस (अयोध्या कांड)
चलत पयादें खात फल (छंद संख्या – 222 – 226)

इकाई 3. बिहारी
सामान्य परिचय और पृष्ठभूमि
निर्धारित पाठ बिहारी – बिहारी रत्नाकर – दोहा संख्या – 143, 103, 347 और 388

इकाई 4. घनान्द
सामान्य परिचय और पृष्ठभूमि
निर्धारित पाठ-पद संख्या – सुजान हित 1, 18, 38, 49, 54
घनानंद ग्रंथावली – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

अनुमोदित ग्रंथ-:

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचंद्र शुक्ल
2.	आदिकाल	हजारी प्रसाद द्विवेदी
3.	हिन्दी काव्यधारा	राहुल सांकृत्यायन
4.	आदिकालीन हिन्दी साहित्य	शम्भुनाथ पाण्डेय
5.	मध्यकालीन बोध का स्वरूप	हजारी प्रसाद द्विवेदी
6.	सूरदास	रामचन्द्र शुक्ल
7.	भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	मैनेजर पाण्डेय
8.	तुलसी	रामचन्द्र शुक्ल
9.	तुलसी	उदयभानु सिंह
10.	कबीर	हजारीप्रसाद दिवेद्वी

11. जायसी	विजयदेव नारायण साही
12. जायसी	सदानंद साही
13. पद्मावत का मूल्यांकन	जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव
14. सूफीमत – साधना और साहित्य	राम पजूनी रावत
15. अकथ कहानी प्रेम की	पुरूषोत्तम अग्रवाल

Major Course - Core Paper

Paper Code: CHIN-10

Course Code: HIN/H/C-10

Title of the Paper – हिंदी उपन्यास- Credit: 4

इकाई 1. **.हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास**
प्रारम्भिक उपन्यास, प्रेमचंदयुगीन उपन्यास
प्रेमचंदोत्तरउपन्यास

इकाई 2. हिन्दी उपन्यास – प्रेमचंद युग
प्रेमचंद – गोदान

इकाई 3. .हिन्दी उपन्यास – प्रेमचंदोत्तर युग
अज्ञेय - शेखर एक जीवनी

इकाई 4. हिन्दी उपन्यास – आंचलिक
फणीश्वरनाथ रेणु - मैला आंचल

अनुमोदित ग्रंथ:

1.	उपन्यास का उदय	आयन वॉट
2.	हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा	रामदरश मिश्र
3.	हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख	इंद्रनाथ मदान
4.	हिन्दी उपन्यास – सन् 1950 के बाद	निर्मलाजैन
5.	उपन्यास और लोकजीवन	राल्फ फाक्स
6.	हिन्दी उपन्यास का विकास	मधुरेश
7.	उपन्यास का पुनर्जन्म	परमानंद श्रीवास्तव
8.	हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति	चंद्रकांत वांदिवड़ेकर
9.	आधुनिक हिन्दी उपन्यास	नामवर सिंह
10.	हिन्दी उपन्यास का इतिहास	गोपाल राय

Major Course - Core Paper

Paper Code: CHIN-11

Course Code: HIN/H/C-11

Title of the Paper – पाश्चात्य काव्यशास्त्र- Credit: 4

इकाई .1 पाश्चात्य साहित्यालोचन के विकास का सामान्य परिचय
प्लेटो – काव्य दृष्टि

इकाई .2 अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत व विरेचन सिद्धांत
लोंजाइनस – उदात्त की अवधारणा

इकाई .3 टी. एस. इलियट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परम्परावादी सिद्धांत
आई. ए. रिचर्ड्स – मूल्यसिद्धांत, सम्प्रेषणसिद्धांत

इकाई .4 वर्डस्वर्थ – व्यक्ति सम्बन्धि मान्यताएं, काव्य भाषा सम्बन्धी मान्यताएं
कोलरिज – कल्पना सिद्धांत

अनुमोदित ग्रंथ:

1.	नई समीक्षा के प्रतिमान	निर्मला जैन
2.	साहित्य चिंतन	देवेंद्र ईस्सर
3.	पाश्चात्य साहित्य चिंतन	निर्मला जैन
4.	मार्क्सवाद क्या है	यशपाल
5.	आज के जमाने में मार्क्सवाद का महत्व	एजाज अहमद
6.	संरचनावाद	गोपीचंद नारंग
7.	मार्क्सवादी साहित्य चिंतन	शिवकुमार मिश्र
8.	आधुनिक परिवेश और अस्तित्तववाद	शिवप्रसाद सिंह
9.	अस्तित्तववाद और मानववाद	ज्यां पाल सार्त्र
10.	आधुनिकतावाद	दूर्गा प्रसाद गुप्त
11.	उत्तर आधुनिकतावाद	सुधीश पचौरी
12.	साहित्य सिद्धांत	रेनेवेलेक, जान आस्टिन
13.	उत्तर आधुनिकता-: विभ्रम और यथार्थ	रवि श्रीवास्तव
14.	आधुनिकतावाद और यथार्थवाद	दूर्गा प्रसाद गुप्त

Sixth Semester
Major Course - Core Paper
Paper Code: CHIN-12
Course Code: HIN/H/C-12
Title of the Paper – आधुनिक कविता: छायावादोत्तर कविता- Credit: 4

इकाई 1. नागार्जुन – अकाल और उसके बाद, यह तुम थे
केदारनाथ अग्रवाल - बसंती हवा
इकाई 2. अज्ञेय – हरी घास पर क्षण भर, सांप
शमशेर – बात बोलेगी, काल तुझसे होड़ है मेरी
इकाई 3. धूमिल – रोटी और संसद, कल सुनना मुझे
केदारनाथ सिंह – खोल दूं यह आज का दिन, बाघ
इकाई 4. राजेश जोशी – बच्चे काम पर जा रहे हैं
अरूण कमल – धार, नये इलाके में

अनुमोदित ग्रंथ:

1.	छायावादोत्तर हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ	त्रिलोचन पाण्डेय
2.	कविता के नए प्रतिमान	नामवर सिंह
3.	आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ	नामवर सिंह
4.	तारसप्तक की भूमिका	अज्ञेय
5.	नई कविता और अस्तित्ववाद	रामविलास शर्मा
6.	विपक्ष का कवि धूमिल	राहुल
7.	मुक्तिबोध की कविताई	अशोक चक्रधर
8.	अज्ञेय : कवि और काव्य	राजेन्द्र प्रसाद
9.	त्रिलोचन के बारे में	गोबिंद प्रसाद
10.	केदारनाथ सिंह : बिंब से आख्यान तक	गोबिंद प्रसाद
11.	समकालीन कविता	विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी
12.	हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	नंददुलारे वाजपेयी
13.	आधुनिक हिन्दी साहित्य	नंददुलारे वाजपेयी

Major Course - Core Paper

Paper Code: CHIN-13

Course Code: HIN/H/C-13

Title of the Paper – हिंदी आलोचना- Credit: 4

इकाई 1. हिंदी आलोचना का विकास : भारतेंदु युग से द्विवेदी युग तक

इकाई 2. छायावाद युगीन :पाठ आधारित

रामचंद्र शुक्ल - काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था

प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य

प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद

हजारी प्रसाद द्विवेदी : आधुनिक साहित्य – नई मान्यताएं

इकाई 3. हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियां –

मार्क्सवाद,

मनोविश्लेषणवाद

अस्तित्ववाद

इकाई .4हिन्दी के प्रमुख आलोचक

नन्ददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा

नामवर सिंह, मैनेजर पांडेय

अनुमोदित ग्रंथ:

1.	नई समीक्षा के प्रतिमान	निर्मला जैन
2.	साहित्य चिंतन	देवेन्द्र इस्सर
3.	पाश्चात्य साहित्य चिंतन	निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
4.	मार्क्सवाद क्या है	यशपाल
5.	आज के जमाने में मार्क्सवाद का महत्व	एजाज अहमद
6.	संरचनावाद,	गोपीचंद नारंग
7.	मार्क्सवादी साहित्य	शिवकुमार मिश्र .
8.	आधुनिक परिवेश और अस्तित्त्ववाद	शिवप्रसाद सिंह
9.	अस्तित्त्ववाद और मानववाद	ज्यां पाल सार्त्र
10.	आधुनिकतावाद और साहित्य	दुर्गा प्रसाद गुप्त
11.	आधुनिकतावाद	दुर्गा प्रसाद गुप्त
12.	उत्तर आधुनिकता और संरचनावाद	सुधीश पचौरी
13.	साहित्य सिद्धांत	रेनेवेलेक, जान आस्टिन
14.	उत्तर आधुनिकता: विभ्रम और यथार्थ	रवि श्रीवास्तव
15.	आधुनिकतावाद और यथार्थवाद	दुर्गा प्रसाद गुप्त

Major Course - Core Papers

Paper Code: CHIN-14

Course Code: HIN/H/C-14

Title of the Paper – हिंदी निबंध और अन्य विधाएँ- Credit: 4

इकाई 1. निबंध का सामान्य परिचय और इतिहास
सरदारपूर्ण सिंह – मजदूरी और प्रेम
विद्यानिवास मिश्र– तुम चंदन हम पानी

इकाई 2. जीवनी और आत्मकथा का सामान्य परिचय और इतिहास
विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा
रामविलास शर्मा – निराला की साहित्य साधना भाग एक से नये संघर्ष

इकाई 3. रेखाचित्र और संस्मरण का सामान्य परिचय और इतिहास
जानकी बल्लभ शास्त्री– अज्ञेय के साथ
रामवृक्ष बेनीपुरी– गेहूं और गुलाब

इकाई 4. रिपोर्ताज और यात्रा-वृत्तांत का सामान्य परिचय और इतिहास
रांगेय राघव– तुफानों के बीच में
राहुल सांकृत्यायन– अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

अनुमोदित ग्रंथ:

1.	आधुनिक हिन्दी साहित्य	लक्ष्मीसागर वासर्णेय
2.	हिन्दी का गद्य साहित्य	रामचंद्र तिवारी
3.	आधुनिक साहित्य	नंददुलारे वाजपेयी
4.	हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास	विजयेन्द्र स्नातक
5.	साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ	कैलाश चंद भाटिया
6.	आधुनिक साहित्य का इतिहास	बच्चन सिंह
7.	काव्य के रूप	गुलाब राय
8.	आधुनिक गद्य की विधाएँ	उदयभानु सिंह
9.	भारतीय समीक्षा सिद्धान्त	सूर्यनारायण द्विवेदी
10.	निबंध निलय	सतेंद्र
11.	हिन्दी साहित्यकोश भाग– 2	धीरेंद्र वर्मा
12.	हिन्दी निबंध और निबंधकार	रामचंद्र तिवारी
13.	निबंध और निबंध	उमाकांत त्रिपाठी
14.	हिंदी गद्य- विन्यास और विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी

Major Course - Core Paper

Paper Code: CHIN-15

Course Code: HIN/H/C-15

Title of the Paper – अस्तिमतामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य- Credit: 4

इकाई 1. विमर्श की सैद्धांतिकी

दलित विमर्श : अवधारणाऔरआंदोलन, फुलेऔरआंबेडकर
स्त्री विमर्श: अवधारणाएंऔरआंदोलन (पाश्चात्यऔरभारतीय)
दलित स्त्रीवाद, लिंगभेद, पितृसत्ता
आदिवासी विमर्श : अवधारणाऔरआंदोलन
जल, जंगल, जमीनऔरपहचानकासवाल

इकाई 2. विमर्शमूलक कथा साहित्य :

(1) ओमप्रकाश वाल्मीकि - शवयात्रा
(2) हरिराममीणा - धूणीतपेतीर, पृष्ठ संख्या:158-160

इकाई 3. विमर्शमूलक कविता

क) दलित कविता :
(1) हीराडोम - अछूतकी शिकायत
(2) ओमप्रकाशवाल्मीकि – ठाकुरकाकुआं
ख) स्त्री कविता :
(1)अनामिका -स्त्रियाँ
(2) निर्मला पुतुल - क्यातुमजानतेहो
(3) कात्यायनी - सात भाइयोंकेबीचचंपा
(4) सविता सिंह - मैं किसकी औरतहूँ

इकाई 4. विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएं :

1 .प्रभाखेतान, पृष्ठ संख्या 28-42: अन्यासेअनन्यातक
2.तुलसीराम- मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभपृष्ठ संख्या 125 से 135)
3: महादेवीवर्मा - स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न
4.श्योराज सिंह 'बेचैन' - मेराबचपनमेरे कन्धोंपर (दिल्ली: बड़ी दुनिया में छोटे कद यहाँ एक मोची रहता था)

अनुमोदित ग्रन्थ:

1. अम्बेडकररचनावली - भाग-1
2. मूकनायक, बहिष्कृतभारत - आंबेडकर (अनुवादकश्योराज सिंह 'बेचैन')
3. गुलामगीरी- ज्योतिबाफुले
4. ज्योतिबाफुले : सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत - डॉनामदेव
5. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि
6. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरणकुमारलिम्बाले
7. दलितआंदोलनकाइतिहास - मोहनदासनैमिशराय
8. हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणाएवंविधाएँ - रजतरानी 'मीनू'
9. अस्मितामूलक विमर्श - रजतरानीमीनू
10. नारी उपेक्षिता - सिमोनदबोउवा
11. उपिनवेशमें स्त्री - प्रभाखेतान
12. औरतहोनेकीसजा - अरविन्दजैन

13. नारीवादी राजनीति –जिनी निवेदिता
14. स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा - सुधासिंह
15. स्त्री स्वरअतीत और वर्तमान : - डॉनीलम, डॉनामदेव
16. आदिवासी अस्मिताकासंकट – रमणिका गुप्ता
17. सामाजिक न्याय और दलित साहित्य- श्योराज सिंह बेचैन (.सं)

Seventh Semester

Major Course / Core Papers/Discipline Specific Elective

Paper Code: CHIN-16

Course Code: HIN/H/C-16

Title of the Paper – लोक साहित्य- Credit: 4

इकाई 1. लोक साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
लोक साहित्य : परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएं
लोक, लोकवार्ता, लोक-संस्कृति, लोक-साहित्य
इकाई 2.लोक साहित्य के प्रकार
लोकगीत, लोकनाटक, लोक-कथा
इकाई 3. लोकसाहित्यएवंलोक-संस्कृति
न्यीशीलोकसाहित्य, जेलियांगलोकसाहित्य
लोक-संस्कृति
इकाई 4. लोकसाहित्यकेअध्ययनकीपरंपरा
भारतीयपरंपरा
इकाई 5. पूर्वोत्तरभारतकालोकसाहित्य
विभिन्नराज्योंकालोकसाहित्य

अनुमोदित ग्रन्थ :-

लोक साहित्य की भूमिका	कृष्णदेव उपाध्याय
लोक संस्कृति की रूपरेखा	कृष्णदेव उपाध्याय
लोक साहित्य का अध्ययन	त्रिलोचन पाण्डेय
कविता कौमुदी	रामनरेश त्रिपाठी
आदि हिंदी के गीत और कहानियां	राहुल सांकृत्यायन
लोक साहित्य और लोक स्वर	विद्यानिवास मिश्र
लोक साहित्य	श्याम परमार
लोक साहित्य की भूमिका	प्रो. रवीन्द्र भ्रमर
लोक सांस्कृत्यायन और राष्ट्रवाद	बद्रीनारायण
जेलियांग लोक गीत	थुनबुई
उईमोक	जमुना बीनी

Major Course - Core Paper

Paper Code: CHIN-17

Course Code: HIN/H/C-17

Title of the Paper – भाषा विज्ञान- Credit: 4

इकाई- 1 -भाषा
भाषा का सामान्य परिचय
भाषा का विकास
इकाई-2 - भाषा की उत्पत्ति
प्राचीन भारतीय भाषाएँ
प्राकृत, पालि, अपभ्रंश
इकाई-3 - भाषा-विज्ञान
भाषा विज्ञान-परिभाषा एवं स्वरूप
भाषा विज्ञान: प्रमुख शाखाएं
इकाई-4 -लिपि का विकास
देवनागरी लिपि का इतिहास एवं विशेषताएं
वर्तनी का विकास,
भाषा और बोली का महत्व,
मानक - हिन्दीभाषा,
इकाई-5 - ध्वनिविज्ञान
ध्वनिकीपरिभाषा
स्वनिमविज्ञान
अर्थविज्ञान

अनुमोदितग्रंथ :-

भाषा विज्ञान की भूमिका	भोलानाथ तिवारी
भाषाशास्त्र और हिंदी भाषा की रूपरेखा	भोलानाथ तिवारी
भाषा और भाषा-विज्ञान	भोलानाथ तिवारी
सामान्य भाषा विज्ञान	भोलानाथ तिवारी
भाषा-विज्ञान	भोलानाथ तिवारी
हिंदी भाषा की संरचना	भोलानाथ तिवारी
भाषाशास्त्र की भूमिका	भोलानाथ तिवारी
हिंदी भाषा	हरदेव बाहरी
भाषाविज्ञान	रामविलास शर्मा
राष्ट्रभाषा हिंदी – समस्याएँ और समाधान	देवेंद्रनाथ शर्मा
भारत की भाषाएं	राजमल बोरा
भाषाविज्ञान की भूमिका	देवेंद्रनाथ शर्मा
भाषाविज्ञान	रामकिशोर शर्मा
हिंदी – शब्द, अर्थ, प्रयोग	हरदेव बाहरी

Fifth Semester
Major Course - Core Paper
Paper Code: CHIN-18
Course Code: HIN/H/C-18
Title of the Paper – प्रयोजनमूलक हिंदी- Credit: 4

इकाई 1. प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय और परिव्याप्ति एवं प्रयोगात्मक क्षेत्र
इकाई 2. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम
कार्यालयी हिंदी
विज्ञापन की हिंदी
राजभाषा हिंदी
वाणिज्यिक हिंदी
इकाई 3. कार्यालयी हिन्दी के अनुप्रयुक्ति क्षेत्र : पत्र लेखन एवं उसके प्रकार
प्रारूप लेखन, टिप्पण, प्रतिवेदन, परिपत्र
इकाई 4. जनसंचार माध्यम
जनसंचार:अभिप्राय और महत्व
जनसंचार – लेखन के विविध रूप
जनसंचार –लेखन की भाषा

अनुमोदित ग्रंथ:

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी	दंगल झाल्टे
.2हिन्दी भाषा	हरदेव बाहरी
.3पुरानी हिन्दी	चंद्रधरशर्मा गुलेरी
.4भारत की भाषा समस्या	रामविलास शर्मा
.5हिन्दी भाषा में अपभ्रंश का योग	नामवर सिंह

Major Course - Core Paper

Paper Code: CHIN-19

Course Code: HIN/H/C-19

Title of the Paper – शोध प्रविधि**,** Credit: 4

इकाई 1. परिचय

1.1 शोध-प्रविधि- अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

1.2 शोध के प्रकार

1.3 शोध की विशेषताएँ

इकाई 2. साहित्यिक शोध

2.1 साहित्यिक शोध

2.2 शोध में परिकल्पना

2.3 शोध में तथ्य और सत्य

2.4 शोध और कल्पना

इकाई 3. शोध की पद्धतियाँ

3.1 तुलनात्मक शोध पद्धति

3.2 मनोवैज्ञानिक शोध पद्धति

3.3 समाजशास्त्रीय शोध पद्धति

3.4 भाषा वैज्ञानिक शोध पद्धति

3.5 शैली वैज्ञानिक शोध पद्धति

3.6 पाठालोचनात्मक शोध पद्धति

3.7 अंतरानुशासनात्मक शोध पद्धति

3.8 सौंदर्यशास्त्रीय शोध पद्धति

इकाई- 4. शोध-प्रक्रिया

4.1 शोध और विषय चयन

4.2 शोध और तथ्य-विश्लेषण

4.3 शोध और निष्कर्ष

4.4 शोध-प्रबंध की रूपरेखा-निर्माण प्रक्रिया

इकाई 5 शोध संबंधी समस्याए :

5.1 शोध संबंधी समस्याए

5.2 एक अच्छे शोधार्थी के गुण

5.3 शोध के साधन और उपकरण

5.4 संदर्भ-सूची- निर्माण की प्रक्रिया

अनुमोदित ग्रंथ:

1. शोध-प्रविधि – विनय मोहन शर्मा
2. शोध-प्रक्रिया एवं विवरणिका – डॉ. सरनाम सिंह
3. अनुसंधान- प्रविधि – एस. एं. गणेशन
4. अनुसंधान- स्वरूप और आयाम – उमाकांत गुप्त
5. शोध और सिद्धांत- नगेन्द्र
6. असमिया साहित्य चानैकीहेम -चन्द्र गोस्वामी

Eighth Semester

Paper Code: CHIN-20

Course Code: HIN/H/C-20

Title of the Paper – भारतीय साहित्य- Credit: 4

इकाई 1. भारतीय साहित्य

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप
2. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब
3. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

इकाई 2. उपन्यास

1. अग्निगर्भ (बंगला) -महाश्वेतादेवी
2. शव काटने वाला आदमी (नेपाली) – येशे दोरजी थोंगची

इकाई 3. कहानी व लोक कथा

1. छुईमुई (उर्दू) – इस्मत चुगताई
2. उईमोक (न्यीशी लोक कथा) – जमुना बीनी
3. अंधे की धन्यता (मलयालम) – तकषि शिवशंकर पिल्लै
4. अमांग का महाभोज (जेलियांग-नागा लोक कथा) - थुंबुई

इकाई 3. कविता

a. कालाहांडी (उड़िया) – जगन्नाथ प्रसाद दास
b. बीच का रास्ता नहीं होता (पंजाबी) - पाश
c. मुझसे पहली-सी मुहब्बत मेरी महबूब न मांग (उर्दू) – फैज अहमद 'फैज'
d. हम हैं पथिक (बंगला) – जय गोस्वामी

इकाई 4. नाटक

1. घासीराम कोतवाल (मराठी) – विजय तेंदुलकर

इकाई 5. अन्य गद्य विधाएं

a. स्त्री-पुरुष तुलना (निबंध – मराठी) – ताराबाई शिंदे
b. एक अविस्मरणीय यात्रा (संस्मरण – असमिया) – इंदिरा गोस्वामी

सहायक पुस्तकें –

1. भारतीय साहित्य – एक परिचय – दिल्ली विश्वविद्यालय
2. कविता –आधुनिक भारतीय कविता – सं. अवधेशनारायण मिश्र, नंद किशोर पांडेय
3. भाषा, साहित्य और संस्कृति – विमलेश कांति वर्मा
4. उईमोक – जमुना बीनी
5. पूर्वोत्तर का आदिवासी स्वर – रमणिका गुप्ता
6. भारतीय साहित्य – नगेंद्र
7. भारतीय साहित्य की भूमिका – रामविलास शर्मा
8. तुलनात्मक साहित्य – इन्द्रनाथ चौधरी
9. आज का भारतीय साहित्य – साहित्य अकादमी
10. भारतीय साहित्य की अवधारणा – शीला मिश्र
11. भारतीय साहित्य – राम छबीला त्रिपाठी
12. भारतीय साहित्य – अध्ययन की नई दिशाएं – प्रदीप श्रीधर
13. भारतीय साहित्य का भाव संसार – आरसु
14. भारतीय साहित्य की पहचान – सियाराम तिवारी

15. भारतीय साहित्य के अध्ययन की सीमाएं – रोहिताश्व
16. भारतीय साहित्य – स्थापनाएँ एवं प्रस्तावना – के सच्चिदानन्दन
17. भारत और यूरोप – राजकमल
18. भारतीय उपन्यास की भूमिका – तक्षशिला प्रकाशन
19. भारतीय उपन्यास साहित्य का उद्भव – आर एस सरोज
20. भारतीय उपन्यास की अवधारणा और स्वरूप – आलोक गुप्त
21. भारतीय उपन्यास की दिशाएं - सत्यकाम

Paper Code: CHIN-21
Course Code: HIN/H/C-21
Title of the Paper –हिंदी उपन्यास-प्रेमचंद - Credit: 4

इकाई 1. प्रेमचंद युगीन परिस्थितियां
हिंदी साहित्य - परिचय

इकाई 2. प्रेमचंद
व्यक्तित्व
कृतित्व
इकाई 3. उपन्यास :
1. सेवासदन

इकाई 4. उपन्यास :
1. निर्मला 2. गबन
इकाई 5. प्रेमचंद के उपन्यासों का वैशिष्ट्य
शिल्प और भाषा
अन्य विशेषताएं

अनुमोदित ग्रन्थ :-

सेवा सदन	प्रेमचंद
कर्मभूमि	प्रेमचंद
निर्मला	प्रेमचंद
रंगभूमि	प्रेमचंद
प्रेमचंद :घर में	शिवरानी देवी
प्रेमचंद :एक विवेचना	इंद्रनाथ मदान
प्रेमचंद और उनका युग	रामविलास शर्मा
प्रेमचंद :कलम का सिपाही	अमृत राय
प्रेमचंद -	मदन गोपाल
प्रेमचंद :साहित्यिक विवेचना	नन्द दुलारे वाजपेयी
प्रेमचंद :एक अध्ययन	राजेश्वर गुरु
प्रेमचंद:जीवन, कला कृतित्व	हंसराज रहबर

Paper Code: CHIN-22
Course Code: HIN/H/C-22
Title of the Paper –हिंदी काव्य **–** कबीर**,** Credit: 4

इकाई 1. निर्गुण भक्ति काव्य की पूर्वपीठिका
कबीर का व्यक्तित्व और कृतित्व
संत काव्य परम्परा में कबीर का वैशिष्ट्य
कबीर के निर्गुण ब्रह्म का स्वरुप

इकाई 2. कबीर के काव्य का भाव पक्ष :
कबीर की भक्तिभावना
कबीर की रहस्यसाधना
कबीर की दार्शनिक चेतना
कबीर के राम और तुलसी के राम

इकाई 3.
कबीर की भाषा – कबीर का अभिव्यंजना पक्ष, अप्रस्तुत विधान एवं काव्य-रूप

इकाई 4.
साखी : संख्या 1 से 25 तक
निर्धारित पाठ्यपुस्तक : 'कबीर ग्रंथावली' सम्पादक श्यामसुंदर दास

अनुमोदित ग्रन्थ :-

कबीर ग्रंथावली	सं. श्यामसुंदर दास
कबीर	हजारी प्रसाद द्विवेदी
संत कबीर	राम कुमार वर्मा
कबीर की खोज	सं. राजकिशोर
कबीर : बाज भी, कपोत भी, पपीहा भी	डॉ. धर्मवीर
कबीर के सबद	डॉ. शुकदेव सिंह
भये कबीर कबीर	डॉ. शुकदेव सिंह
अकथ कहानी प्रेम की	पुरुषोत्तम अग्रवाल
कबीर	विजेंद्र स्नातक

Paper Code: CHIN-23
Course Code: HIN/H/C-23
Title of the Paper –पत्रकारिता और मीडिया**,** Credit: 4

इकाई :1 हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास
पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार
संचार और जनसंचार
इकाई :2 पत्रकारिता का सिद्धांत
मानव संचार की प्रकृति एवं प्रक्रिया
संचार का कार्य
मौखिक और अशाब्दिक
इकाई :3 संचार माध्यम
SMR, SMCR न्यू ,शैनन और विवर,काम्ब
राइट टू इनफार्मेशनमिडिया का दायित्व ,
इकाई :4 मिडिया प्रणाली और सिद्धांत
सामाजिक दायित्व
स्वतंत्रता
सामाजिकता
विकास और भागीदारी
इकाई :5 प्रिंट मिडिया और रिपोर्टिंग मिडिया
मुक्त प्रेस की अवधारणा और प्रेस कानून
हिन्दी पत्रकारिता की प्रवृत्तियां
संचार भाषा एवं भाषा संचार

अनुमोदित ग्रन्थ :

हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास	डा. अर्जुन तिवारी
मीडिया और बाजारवाद	रामशरण जोशी
हिंदी पत्रकारिता , हमारी विरासत: भाग १ और भाग २	शम्भुनाथ द्विवेदी

कौशल विकास पाठ्यक्रम (SKILL ENHANCEMENT COURSE

Paper Code – CHIN-24

Course Code – HIN/SEC/24/1

Title of the Paper – अनुवाद और हिंदी साहित्य - **Credit**: 3

इकाई 1. अनुवाद - अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि

अनुवाद शब्द की व्युत्पति एवं अर्थ व इतिहास

विविध परिभाषाएं, अनुवाद का स्वरूप
अनुवाद की प्रासंगिकता

इकाई 2. अनुवाद– प्रकार और शैलियां
माध्यम के आधार पर
प्रक्रिया के आधार पर
पाठ के आधार पर

इकाई 3. अंतरभाषिक अनुवाद, शाब्दिक अनुवाद, आशु अनुवाद, पाठानूवाद, अंतर्भाषिक अनुवाद

अनुमोदितग्रंथ-:

.1 अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा	डॉ. सुरेश कुमार
2.अनुवाद के भाषिक पक्ष	विभा गुप्ता
.3 अनुवाद– कार्यदक्षता	रामकुमार प्रधान
.4 अनुवाद क्या हैं	भ. ह. राजूरकर
.5 प्रयोजनमूलकहिन्दी	दंगलझाल्टे
.6 अनुवाद और रचना का उत्तरजीवन	रमन सिन्हा
.7अनुवाद मूल्य और मूल्याङ्कन	शशि मुदिराज
.8अनुवाद विज्ञान – सिद्धांत एवं प्रविधि	भोलानाथ तिवारी

कौशल विकास पाठ्यक्रम (SKILL ENHANCEMENT COURSE

Paper Code – CHIN-24

Course Code - HIN/SEC/24/2

Title of the Paper – कार्यालयी हिंदी - **Credit**: 3

इकाई .1कार्यालयी हिंदी- अभिप्राय तथा उद्देश्य

कार्यालयी हिंदी के प्रयोग – क्षेत्र, कार्यालयी और सामान्य हिंदी में सम्बन्ध और अंतर, अर्धसरकारी हिंदी, सार्वजनिक-सरकारी उपक्रम

इकाई .2कार्यालयी हिंदी : प्रकार एवं पत्राचार

परिपत्र, ज्ञापन, प्रेस विज्ञप्ति, अधिसूचना, संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूप लेखन, टिप्पणी, प्रशासनिक पत्रावली

अनुमोदित ग्रंथ:

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी: दंगल झाल्टे
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी- माधव सोनटक्के
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका- कैलाशनाथ पांडेय
4. प्रारूपण, शासकीय प्रचार और टिप्पण लेखन विधि- राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव
5. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी- कृष्ण कुमार गोस्वामी
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी के आधुनिक आयाम - महेंद्र सिंह राणा

कौशल विकास पाठ्यक्रम (SKILL ENHANCEMENT COURSE

Paper Code – CHIN-24

Course Code - HIN/SEC/24/3

Title of the Paper – विज्ञापन और समाचार लेखन - **Credit**: **3**

इकाई .1विज्ञापन– स्वरूप एवं अवधारणाएं

विज्ञापन – अर्थ, परिभाषा और सामान्य परिचय, विज्ञापन के माध्यम, विज्ञापन की भाषा, विज्ञापन का महत्व

इकाई .2समाचार लेखन

डिजिटल मीडिया लेखन, मीडिया का समाचार लेखन, प्रिंट माध्यम के लिए समाचार लेखन, समाचार के लिए लेखन

अनुमोदित ग्रंथ:

1. जनसम्पर्क, प्रचार व विज्ञापन- विजय कुलश्रेष्ठ
2. जनसंचार माध्यम: भाषा और साहित्य – सुधीश पचौरी
3. डिजिटल युग में विज्ञापन – जगदीश्वर चतुर्वेदी

योग्यता-प्रदायी पाठ्यक्रम (ABILITY ENHANCEMENT COURSE

MIL - 1

Paper Code – CHIN-25

Course Code – HIN/AEC/25/1

Title of the paper; कविता, कहानी, व्याकरण एवं रचना - **Credit**: 2

इकाई 1. कविता (प्राचीन)

1. कबीर ---------- साखी
2. सूरदास भ्रमरगीत (पदसंख्या – 8, 9, 10, 11)

इकाई 2. कविता (आधुनिक)

1. जागो फिर एक बार - सूर्यकांतत्रिपाठीनिराला
2. गीत-फरोश - भवानीप्रसादमिश्र

इकाई 3. लघुकथा

1. अपना-अपना भाग्य - जैनेन्द्र
2. हार की जीत - सुदर्शन

इकाई 4. निबंध

1. क्रोध - रामचंद्रशुक्ल
2. भोलाराम का जीव - हरिशंकरपरसाई

इकाई 5. व्याकरण और रचना

1. संक्षेपण, पर्यायवाची, विलोम, उपसर्ग, प्रत्यय, कहावत-मुहावरे

संदर्भपुस्तकें –

1. आधुनिक निबंध संग्रह – सुरेश कुमार
2. हिंदी का व्यग्य संग्रह – रामवीर सिंह
3. आधुनिक कहानी संग्रह – सरोजिनी शर्मा
4. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – बी एन प्रसाद
5. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – गुलाबराय
6. हमारे कवि और लेखक – आर पी चतुर्वेदी

योग्यता-प्रदायी पाठ्यक्रम (ABILITY ENHANCEMENT COURSE

MIL – 2

Paper Code – CHIN-25

Course Code – HIN/AEC/25/2

Title of the Paper – कहानी, आत्मकथा, एकांकी एवं कविता - **Credit**: 2

इकाई 1. गद्य (कहानी)

उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी

ठाकुर का कुआं - प्रेमचंद

इकाई 2. गद्य (आत्मकथा)

जूठन (चयनितअंश) ओम प्रकाश वाल्मीकि

इकाई 3. एकांकी

अंधेर-नगरी - भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई 4. कविता

घिन तो नहीं आती - नागार्जुन

रामदास – रघुवीर सहाय

संदर्भ पुस्तकें –

1. आधुनिक निबंध संग्रह – सुरेश कुमार
2. हिंदी काव्य संग्रह – केंद्रीय हिंदी संस्थान
3. आधुनिक एकांकी संग्रह – सुरेश कुमार
4. हिंदी निबंध और निबंधकार – जगन्नाथ नलिन
5. हमारे कवि और लेखक – आर पी चतुर्वेदी
6. सरल निबंध – श्याम चंद्र कपूर
7. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – वासुदेव नंदन प्रसाद

मूल्य आधारित पाठ्यक्रम (VALUE BASED COURSE)

Paper Code-CHIN-26

Course Code-HIN/VBC/26/1

Title of the Paper – कम्प्यूटर अनुप्रयोग (**COMPUTER APPLICATION**) - **Credit**: 3

इकाई 1. कंप्यूटर का विकास और हिंदी

कम्प्यूटर का परिचय

कम्प्यूटर और हिंदी

इकाई 2. हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

.1इन्टरनेट पर हिंदी एवं इन्टरनेट में प्रयोग होने वाली हिंदी

2 हिंदी और वेब डिजाइनिंग

इकाई 3. हिंदी भाषा, कम्प्यूटर और गवर्नेंस

.1राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका

.2कम्प्यूटर के माध्यम से हिंदी सेवा– गवर्नेंस, ई-लर्निंग, सरकारी संस्थाएं, ई-विविध क्षेत्र

इकाई 4. हिंदी भाषा और कम्प्यूटर - विविध क्षेत्र

.1इन्टरनेट पर हिंदी पत्रकारिता

.2 न्यू मीडिया और हिंदी भाषा

अनुमोदित ग्रन्थ:

1. आधुनिक जनसंचार और हिंदी - हरिमोहन
2. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग– विजय कुमार मल्होत्रा
3. कंप्यूटर और हिंदी - हरिमोहन
4. हिंदी भाषा और कंप्यूटर– संतोष गोयल
5. कंप्यूटर के द्वारा प्रस्तुतीकरण और भाषा सिद्धांत– पी. के. शर्मा
6. सोशल नेटवर्किंग– संजय द्विवेदी
7. जनसंचार और मास कल्चर– जगदीश्वर चतुर्वेदी

बहु-अनुशासनिक **पाठ्यक्रम (MULTY-DISCIPINARY COURSE)**
Paper Code-CHIN-27
Course Code-HIN/MDC/27/1

Title of the Paper – साहित्य और सिनेमा (**LITERATURE AND CINEMA**) - **Credit**: 3

इकाई .1सिनेमा– सामान्य परिचय
जनमाध्यम के रूप में सिनेमा, सिनेमा की साहित्यिक यात्रा
सिनेमा की भाषा
सिनेमा के प्रकार
इकाई .2सिनेमा अध्ययन
सिनेमा अध्ययन की दृष्टि
सिनेमा में यथार्थ और उसका ट्रीटमेंट
हिंदी सिनेमा का राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय बाजार
इकाई .3सिनेमा– समीक्षा
सिनेमा समीक्षा के विविध पहलू
सिनेमा की भाषा का समाजशास्त्र
इकाई .4सिनेमा– अंतर्वस्तु और तकनीक
पटकथा, अभिनय, संवाद, संगीत और नृत्य
कैमरा, लाइट, साउंड

अनुमोदित ग्रंथ:

1. बॉलीवुड– ए हिस्ट्री – रहीम बोस
2. 70 इयर्स आफ इंडियन सिनेमा – टी. एम. रामचंद्रन
3. हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र

बहु-अनुशासनिक **पाठ्यक्रम (MULTY-DISCIPINARY COURSE)**
Paper Code-CHIN-27
Course Code-HIN/MDC/27/2

Title of the Paper – सृजनात्मक लेखन (**CREATIVE WRITING**) - **Credit**: 3

इकाई .1रचनात्मकता की अवधारणा
रचनात्मकता का अभिप्राय, विविध रूप, तत्व
रचनात्मकता को प्रभावित करनेवाले कारक
इकाई .2रचनात्मकता और भाषा :
भाषा की रचनात्मकता, भाषा का सौंदर्य, भाषिक अभिव्यक्ति की शैलियां
इकाई .3रचनात्मकता के विविध रूप
संवाद और दृश्य लेखन, डायरी और नाटक, स्तम्भ लेखन, फीचर लेखन, साक्षात्कार लेखन
इकाई 4. रचनात्मक साहित्य और समीक्षा
समीक्षा लेख, पुस्तक समीक्षा, फिल्म समीक्षा

अनुमोदित ग्रंथ –

1. **साहित्य चिंतन-रचनात्मक आयाम – रघुबंश**
2. **शैली – रामचंद्र मिश्र**
3. **रचनात्मक लेखन – रमेश गौतम**
4. **कला की जरूरत – अर्न्स्ट फिशर**
5. **नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – मुक्तिबोध**
6. **साहित्य का सौंदर्यचिंतन – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव**
7. **सृजनशीलता और सौंदर्यबोध – निशा अग्रवाल**
8. **कविता – रचना प्रक्रिया – कुमार विमल**
9. **समकालीन कविता में छंद – अज्ञेय**
10. **कविता से साक्षात्कार – मलयज**
11. **कविता क्या है – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी**
12. **एक कवि की नोटबुक – राजेश जोशी**
13. **हिंदी साहित्य का छंदविवेचन – गौरीशंकर मिश्र**
14. **अलंकार धारणा – विकास और विश्लेषण – शोभाकांत मिश्र**
15. **काव्यार्थ चिंतन - शिवरुद्रप्पा**